एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

00136

जून, 2015

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) घृणा तुम्हें मार सकती है
तोड़ सकती है
पर अपने ही दायरे में
ज़िन्दा नहीं रख सकती
ताज़ा हवा देकर
और नहीं सुना सकती
प्रेम कविता
मौसम के रंगीन पंखों पर बैठाकर !

(ख) यदि यह विधान लागू हो जाता

कि तुम अस्पृश्य हो

तुम्हारी छाया भी अमंगल है

हमारे शरीर, वायुमंडल और धरा के लिए

इसलिए तुम्हें गले में लटकाकर हाँडी

और कमर में बाँधकर झाड़ू

सड़कों पर चलने की राजाज्ञा हो,

तुम्हारा वर्जित हो मंदिरों में प्रवेश

सार्वजनिक कुओं, तालाबों से लेना पानी

तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

(ग) नर्म और मासूम बालमन पर एक खरोंच पड़ गई थी, जो समय के साथ-साथ ग्रंथि बन गई थी । जब भी वह पच्चीस की संख्या पढ़ता या लिखता, उसे पच्चीस चौका डेढ़ सौ ही याद आता ।

(घ) चारों तरफ गंदगी भरी होती थी । ऐसी दुर्गंध कि मिनट भर में साँस घुट जाए । तंग गलियों में घूमते सूअर, नंग-धड़ंग बच्चे, कुत्ते, रोज़मर्रा के झगड़े, बस यह था वह वातावरण जिसमें बचपन बीता । इस माहौल में यदि वर्ण-व्यवस्था को आदर्श-व्यवस्था कहने वालों को दो-चार दिन रहना पड़ जाए तो उनकी राय बदल जाएगी ।

2. समकालीन हिन्दी दलित कविता के विकास को रेखांकित कीजिए । *10*

3. 'हिन्दी दलित साहित्य में सौन्दर्य के नए आयाम' विषय पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

4. 'आमने-सामने' कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए । *10*

5. 'अपने-अपने पिंजरे' की वैचारिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण कीजिए । *10*

6. 'आज का रैदास' कविता की विद्रोही चेतना को रेखांकित कीजिए । *10*

7. 'अंगारा' कहानी के आधार पर दलित स्त्री जीवन के विभिन्न पक्षों को उद्‌घाटित कीजिए । *10*